4. हमें कुछ-न-कुछ निरंतर सीखते रहना चाहिए, नई-नई सूचनाएँ प्राप्त करनी चाहिए। बौद्धिक विकास तो निरंतर चलता रहता है। शिक्षित व्यक्ति वही है जो जब तक जीता है तब तक सीखता ही रहता है और कोई भी समय ऐसा नहीं होता जिसमें उसने कुछ न सीखा हो। विज्ञान तथा कला निरंतर विकसित हो रही हैं। अत: बौद्धिक विकास के लिए अत्यंत गहन अध्ययन करना चाहिए। मनुष्य की सच्ची संपदा वही सच्चा ज्ञान है जो उसने अपना लिया है। सीखे हुए ज्ञान को न भाई बाँट सकते हैं, न चोर चुरा सकता है। छात्रों को चाहिए कि पटरियों पर बिकने वाली पत्र-पत्रिकाएँ छोड़कर ज्ञानवर्धन वाली पुस्तकें पढ़ें, महापुरुषों की जीवनियाँ पढ़ें। यदि एक बार हमने पढ़ने का अभ्यास डाल लिया तो हमारा जीवन ही बदल जाएगा।

प्रश्न– 1. गद्यांश के लिए उचित शीर्षक लिखिए।

2. किस व्यक्ति को शिक्षित कहा जा सकता है?

3. बौद्धिक विकास के लिए गहन अध्ययन की क्यों आवश्यकता है?

4. 'ज्ञान' को मनुष्य की सच्ची संपदा क्यों कहा गया है?

5. विद्यार्थियों को किस प्रकार की पुस्तकें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए?

6. गद्यांश में से ढूँढ़कर निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखिए:
   उन्नति, लगातार, संपत्ति, मानव।

7. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–बहन, मृत्यु, झूठा, शिक्षित।